मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

अनुक्रमांक ________

नाम ________

901

801(AD)

2019

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1\. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1

(i) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एक कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं ।

(ii) 'क्या लिखूँ ?' के लेखक रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं ।

(iii) 'ध्रुवस्वामिनी' जयशंकर प्रसाद की रचना है ।

(iv) मुंशी प्रेमचन्द एक समालोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं ।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) संन्यासी

(ii) 'रसमीमांसा'

(iii) 'बिखरे पन्ने'

(iv) 'आत्मकथा'

(ग) 'माटी की मूरतें' किस विधा की रचना है ?

(घ) डायरी विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए ।

(ङ) समालोचना विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए । 1

https://www.upboardonline.com

2\. (क) 'रीतिबद्ध' कवियों में से किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए । 2

(ख) निम्नलिखित रचनाओं में से किन्हीं **दो** रचनाओं के रचनाकार के नाम लिखिए : 2

(i) 'पलाशवन'

(ii) 'पल्लव'

(iii) पंचवटी

(iv) 'परशुराम की प्रतिज्ञा'

(ग) नयी कविता के किसी एक कवि का नाम लिखिए । 1

3\. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

(क) जिन्दगी को मौत के पंजों से मुक्त कर उसे अमर बनाने के लिए आदमी ने पहाड़ काटा है । किस तरह इन्सान की खूबियों की कहानी सदियों बाद आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचायी जाए, इसके लिए आदमी ने कितने ही उपाय सोचे और किए । उसने चट्टानों पर अपने संदेश खोदे, ताड़ों से ऊँचे, धातुओं से चिकने पत्थर के खम्भे खड़े किए, ताँबे और पीतल के पत्तरों पर अक्षरों के मोती बिखेरे और उसके जीवन-मरण की कहानी सदियों के उतार पर सरकती चली आई, चली आ रही है, जो आज हमारी अमानत-विरासत बन गई है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) इन्सान की खूबियों को अगली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए आदमी ने कौन-कौन से उपाय किए ?

https://www.upboardonline.com

(ख) मैं तो यही समझता हूँ कि यदि हमें अपने समाज और देश में उन सब अन्यायों और अत्याचारों की पुनरावृत्ति नहीं करनी है, जिनके द्वारा आज के सारे संघर्ष उत्पन्न होते हैं, तो हमें अपनी ऐतिहासिक, नैतिक चेतना या संस्कृति के आधार पर ही अपनी आर्थिक व्यवस्था बनानी चाहिए, अर्थात् उसके पीछे वैयक्तिक लाभ और भोग की भावना प्रधान न होकर वैयक्तिक त्याग और सामाजिक कल्याण की भावना ही प्रधान होनी चाहिए। हमारे प्रत्येक देशवासी को अपने सारे आर्थिक व्यापार उसी भावना से प्रेरित होकर करने चाहिए। वैयक्तिक स्वार्थों और स्वत्त्वों पर जोर न देकर वैयक्तिक कर्तव्य और सेवा निष्ठा पर जोर देना चाहिए और हमारी प्रत्येक कार्यवाही इसी तराजू पर तौली जानी चाहिए।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) हमारे देशवासियों के आर्थिक व्यापार किस भावना से प्रेरित होने चाहिए ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) चरन-कमल बन्दौं हरि राइ।

जाकी कृपा पंगु गिरि लंघे, अन्धे कौं सब कुछ दरसाइ॥

बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।

सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बन्दौं तिहिं पाइ॥

https://www.upboardonline.com

(ख) मेवाड़-केसरी देख रहा,
केवल रण का न तमाशा था।
वह दौड़-दौड़ करता था रण,
वह मान-रक्त का प्यासा था॥
चढ़कर चेतक पर घूम-घूम,
करता सेना रखवाली था।
ले महामृत्यु को साथ-साथ,
मानो प्रत्यक्ष कपाली था॥

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) रसखान

(ii) रामनरेश त्रिपाठी

(iii) केदारनाथ सिंह

6. निम्नलिखित का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते। मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां-नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति। एतस्या गतिशीलतायाः रहस्यं मानवजीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः, विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति।

अथवा

माता गुरुतरा भूमेः, खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात्, चिन्ता बहुतरी तृणात्॥

https://www.upboardonline.com

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2

(i) वाराणसी नगरी कस्याः कूले स्थिता ?

(ii) वीरः केन पूज्यते ?

(iii) अमुखोऽपि कः स्फुटवक्ता भवति ?

(iv) नीचसंगेन का वर्धते ?

8. (क) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए : 2

सोक बिकल सब रोवहिं रानी । रूपु सीलु बलु तेजु बखानी ।।
करहिं बिलाप अनेक प्रकारा । परहिं भूमितल बारहिं बारा ।।

अथवा

हास्य रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।

(ख) उत्प्रेक्षा **अथवा** उपमा अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए । 2

(ग) निम्नलिखित में प्रयुक्त छन्द को पहचान कर लिखिए : 2

बंदउँ मुनि पद कंजु रामायन जेहिं निरमयउ ।
सखर सुकोमल मंजु दोष रहित दूषन सहित ।।

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से **एक-एक** शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1 = 3

(i) अप (ii) अनु (iii) निर्
(iv) अभि (v) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग कर **एक-एक** शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

(i) वट (ii) पन
(iii) त्व (iv) आई

https://www.upboardonline.com

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) शुभकर्म (ii) नवरत्न
(iii) शुभाशुभ (iv) चक्रपाणि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) नेह (ii) किरपा
(iii) निरगुन (iv) सावन

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) आग (ii) ब्रह्मा
(iii) हवा (iv) कृष्ण

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) गुरु + आदेशः (ii) सदा + एव
(iii) इति + आदि (iv) महा + ओघः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति बहुवचन के रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) नदी **अथवा** मधु

(ii) युष्मद् **अथवा** तद् (स्त्रीलिंग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) अपचतम् (ii) हसेः (iii) पश्यथ

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) व्यक्तिगत स्वार्थ से देश-हित बड़ा होता है ।

(ii) चन्द्रमा का उदय हो रहा है ।

(iii) विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए ।

(iv) वाराणसी गंगा के पावन तट पर स्थित है ।

https://www.upboardonline.com

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) व्यावसायिक शिक्षा का महत्त्व

(ii) किसी यात्रा का वर्णन

(iii) जीवन में परोपकार का महत्त्व

(iv) स्वदेश-प्रेम

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए ।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके छठे सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कौन सी घटना आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है ? संक्षेप में लिखिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के 'द्यूत सभा में द्रौपदी' सर्ग का सारांश लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आदर्श वरण' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर राम का चरित्रांकन कीजिए । https://www.upboardonline.com

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'रामविलाप और सौमित्र का उपचार' सर्ग की कथा लिखिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

https://www.upboardonline.com